Sixteenth Loksabha

an>

title: Need to reduce rising prices of drugs.

श्री लल्लू सिंह (फ़ैज़ाबाद) : महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान देश में जीवनरक्षक और जरूरी दवाईयों जैसे कैंसर, डायबिटीज, अल्जेमेरिया आदि के मूल्यों में निरन्तर हो रही वृद्धि की ओर दिलाना चाहता हूँ। सरकार के प्रयासों के बावजूद आज भी दवाओं के मूल्य में निरंतर वृद्धि हो रही है। दवाओं के थोक मूल्यों और खुदरा बिक्री मूल्यों में भारी अंतर है। सरकार द्वारा पिछले कुछ समय में काफी दवाइयों को जीवनरक्षक सूची में लाया गया था परंतु आज भी उनके मूल्य इतने अधिक हैं कि एक आम आदमी की पहुँच से बाहर हैं। सरकार द्वारा बाई-पास सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले स्टैंट के मूल्य में भारी कमी करके उसको 8000 रुपये तक लाया गया था, लेकिन आज किसी भी अस्पताल में इस मूल्य पर स्टैंट नहीं लग रहा है। मरीज़ से बहुत अधिक मूल्य वसूला जा रहा है। इसी प्रकार से अन्य दवाओं की स्थिति है। सरकार ने जिन दवाओं के मूल्यों में कमी की है, वे बाज़ार में कम मूल्य पर मिल सकें, इसके लिए सरकार को निगरानी व्यवस्था स्थापित करनी चाहिए। माननीय प्रधान मंत्री जी ने जगह-जगह पर जन-औषधि केन्द्र खोलने का जो निर्देश दिया था, यह सरकार का बहुत अच्छा कदम है। इन केन्द्रों पर सस्ती दवाइयाँ मिल रही हैं। इससे गरीब लोगों को बहुत लाभ मिल रहा है, किन्तु इनकी संख्या बहुत कम है। इनको और तेजी से बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है। अतः आपके माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि देश के गरीब लोगों की पहुँच दवाइयों तक बनाने के लिए इनके मूल्यों में और कमी लाने हेतु आवश्यक कदम उठाएँ, तथा इसके लिए सख्त निगरानी तंत्र बनाएँ और देश में जैनरिक जन-औषधि केन्द्र अधिक से अधिक संख्या में खोले जाएँ। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री शरद त्रिपाठी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री किरिट पी. सोलंकी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

डॉ. वीरेन्द्र कुमार एवं

श्रीमती वी. सत्यबामा को श्री लल्लू सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।